४ हार की जीत

कहानी का सारांश

यह कहानी एक साधु बाबा भारती और एक डाकू खड्गसिंह के बीच घोड़े को लेकर होने वाली घटना के इर्द-गिर्द घूमती है। बाबा भारती अपने घोड़े सुलतान से बेहद प्रेम करते थे और उसे अपना सबकुछ मानते थे। खड्गसिंह, जो एक कुख्यात डाकू था, सुलतान की खूबसूरती और चाल से मुग्ध हो जाता है और उसे हासिल करने की ठान लेता है। वह बाबा भारती के पास जाता है और घोड़े को मांगता है।

बाबा भारती डर जाते हैं लेकिन बाद में खड्गसिंह घोड़ा चुरा ले जाता है। बाबा भारती को इस घटना से बहुत दुख होता है लेकिन फिर भी वह खड्गसिंह से शिकायत नहीं करते। इसके बजाय, वे खड्गसिंह से कहते हैं कि इस घटना को किसी को ना बताए ताकि लोगों का विश्वास गरीबों पर से ना उठ जाए। खड्गसिंह बाबा भारती की इस बात से बहुत प्रभावित होता है और घोड़ा वापस लौटा देता है। अंत में, दोनों ही व्यक्ति एक-दूसरे के प्रति सम्मान और प्रशंसा का भाव रखते हैं।

शब्दार्थ:

लहलहाते : हरे-भरे

आनंद : उल्लास, ख़ुशी, हर्ष

अर्पण : समर्पित , सौंपना, भेट करना

असबाब : सामान

घृणा : नफ़रत

भ्रांति : गलत धारणा

अधीर : बेताब

बाँका : सुंदर

कीर्ति : यश, प्रसिद्धि

अस्तबल : घोड़ों का ठहराव

अधीरता : बेचेनी

बेरहमी : निर्दयता

प्रतिक्षण : हरपल

मिथ्या : झूठा

अपाहिज : विकलांग, अपंग

विस्मय : आश्चर्य

प्रयोजन : मतलब

लगाम : घोड़े को नियंत्रित करने की रस्सी

सन्नाटा : शांत

पश्चाताप : पछतावा

कुटिया : छोटा घर

प्रश्न अभ्याश

मेरी समझ से

आइए, अब हम 'हार की जीत' कहानी को थोड़ा और निकटता से समझ लेते हैं।

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. **सुलतान के छीने जाने का बाबा भारती पर क्या प्रभाव हुआ?**

- बाबा भारती के मन से चोरी का डर समाप्त हो गया। ★
- बाबा भारती ने गरीबों की सहायता करना बंद कर दिया।
- बाबा भारती ने द्वार बंद करना छोड़ दिया।
- बाबा भारती असावधान हो गए।

2. **"बाबा भारती भी मनुष्य ही थे।" इस कथन के समर्थन में लेखक ने कौन-सा तर्क दिया है?**

- बाबा भारती ने डाकू को घमंड से घोड़ा दिखाया।
- बाबा भारती घोड़े की प्रशंसा दूसरों से सुनने के लिए व्याकुल थे। ★
- बाबा भारती को घोड़े से अत्यधिक लगाव और मोह था।
- बाबा भारती हर पल घोड़े की रखवाली करते रहते थे।

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:-

1. बाबा भारती ने घोड़े को खो दिया, तो अब उन्हें चोरी का डर नहीं रहा।
2. मैंने दूसरा विकल्प इसलिए चुना क्योंकि जब खड्गसिंह घोड़े को देखने आया तो बाबा भारती ने घोड़े की बहुत तारीफ की। इससे पता चलता है कि वे भी दूसरों से प्रशंसा सुनना पसंद करते थे।

शीर्षक

(क) आपने अभी जो कहानी पढ़ी है, इसका नाम सुदर्शन ने 'हार की जीत' रखा है। अपने समूह में चर्चा करके लिखिए कि उन्होंने इस कहानी को यह नाम क्यों दिया होगा? अपने उत्तर का कारण भी लिखिए।

उत्तर: सुदर्शन ने इस कहानी को 'हार की जीत' इसलिए कहा होगा क्योंकि:

- बाबा भारती की हार: सुलतान घोड़ा चोरी हो जाने से बाबा भारती बहुत दुखी हुए। उन्हें लगा कि उन्होंने अपना सब कुछ खो दिया।
- खड्गसिंह की हार: खड्गसिंह ने घोड़ा तो चुरा लिया, लेकिन अंत में उसे बाबा भारती की बातों का अहसास हुआ और उसने घोड़ा वापस कर दिया। उसने अपना घमंड और क्रूरता का स्वभाव थोड़ा कम किया।
- दोनों की जीत: हालांकि बाबा भारती ने घोड़ा खो दिया, लेकिन उन्होंने खड्गसिंह के दिल में बदलाव ला दिया। खड्गसिंह ने भी घोड़ा वापस करके एक अच्छी बात की। इसलिए दोनों ही तरह से एक जीत हुई।
- अर्थात, इस कहानी में हार और जीत दोनों ही भावनाएं हैं।

(ख) यदि आपको इस कहानी को कोई अन्य नाम देना हो तो क्या नाम देंगे? आपने यह नाम क्यों सोचा, यह भी बताइए।

उत्तर: में इस कहानी को नीचे दिए गए नाम देना चाहुँगा:

- विश्वास की जीत : क्योंकि बाबा भारती के विश्वास ने खड्गसिंह को बदल दिया।
- करुणा की कहानी : क्योंकि बाबा भारती की करुणा ने खड्गसिंह के दिल को छुआ।
- हार का बदला : क्योंकि बाबा भारती ने अपनी हार को जीत में बदल दिया।
- सच्ची दोस्ती : क्योंकि बाबा भारती और सुलतान के बीच एक गहरा बंधन था।

(ग) बाबा भारती ने डाकू खड्गसिंह से कौन-सा वचन लिया?

उत्तर: बाबा भारती ने खड्गसिंह से वचन लिया कि वह इस घटना को किसी से भी साझा नहीं करेंगा। क्योंकि बाबा भारती का मानना था कि यदि लोगों को पता चला तो वे गरीबों पर विश्वास खो देंगे और गरीबों कि सहायता करना बंद कर देंगे।

पंक्तियों पर चर्चा

कहानी में से चुनकर कुछ वाक्य नीचे दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार लिखिए-

- **"भगवत भजन से जो समय बचता, वह घोड़े को अर्पण हो जाता।"**
  उत्तर: इस वाक्य का सरल अर्थ यह है कि व्यक्ति भगवान का भजन करने के बाद जो समय शेष रह जाता था, उसमें वह अपने घोड़े की सेवा में लगा देता था।
- **"बाबा ने घोड़ा दिखाया घमंड से, खड्गसिंह ने घोड़ा देखा आश्चर्य से । "**
  उत्तर: इस वाक्य का अर्थ है कि बाबा भारती अपने घोड़े पर गर्व करते थे और उसे घमंड के साथ दिखाते थे। दूसरी ओर, खड्गसिंह ने घोड़े कि सुंदरता और शान को आश्चर्य और लालच से देखा, क्योंकि वह उसे पाना चाहता था।
- **"वह डाकू था और जो वस्तु उसे पसंद आ जाए उस पर अपना अधिकार समझता था।"**
  उत्तर: यह वाक्य खड्गसिंह के चरित्र कि मूल प्रवृति को दर्शाता है। वह अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता था।
- **"बाबा भारती ने निकट जाकर उसकी ओर ऐसी आँखों से देखा जैसे बकरा कसाई की ओर देखता है और कहा, यह घोड़ा तुम्हारा हो चुका है।"**
  उत्तर: यह वाक्य बाबा भारती कि असहायता और दुःख को व्यक्त करता हैं। वे जानते हैं कि वे खड्गसिंह को रोक नहीं सकते, इसलिए वे अपने प्रिय घोड़े को खोने कि पीड़ा महसूस कर रहे हैं।
- **"उनके पाँव अस्तबल की ओर मुड़े। परंतु फाटक पर पहुँचकर उनको अपनी भूल प्रतीत हुई।"**
  उत्तर: यह वाक्य बाबा भारती कि आदत और वर्तमान स्थिति के बीच के अंतर को दर्शाता है। वे अनजाने में घोड़े कि देखभाल करने जा रहे थे, लेकिन फिर उन्हें याद आया कि अब उनके पास नहीं है।

सोच-विचार के लिए

कहानी को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित पंक्ति के विषय में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।
"दोनों के आँसुओं का उस भूमि की मिट्टी पर परस्पर मेल हो गया।"

(क) किस-किस के आँसुओं का मेल हो गया था?
उत्तर: बाबा भारती और खड्गसिंह के आँसुओं का मेल हो गया था।

(ख) दोनों के आँसुओं में क्या अंतर था?
उत्तर: दोनों के आँसुओं में यह अंतर है कि बाबा भारती के आँसू खुशी के आँसू थे और खड्गसिंह के पश्चाताप के आँसू थे।

दिनचर्या

(क) कहानी पढ़कर आप बाबा भारती के जीवन के विषय में बहुत कुछ जान चुके हैं। अब आप कहानी के आधार पर बाबा भारती की दिनचर्या लिखिए। वे सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक क्या-क्या करते होंगे, लिखिए। इस काम में आप थोड़ा-बहुत अपनी कल्पना का सहारा भी ले सकते हैं।
उत्तर: बाबा भारती कि दिनचर्या:

- **सुबह** : सुबह जल्दी उठकर स्नान, पूजा और भजन आदि करते होंगे।
- **दिन** : अपने घोड़े सुलतान की देखभाल, गरीबों कि मदद और अध्ययन करते होंगे।
- **शाम** : सुलतान के साथ समय बिताना, फिर भजन-कीर्तन करते होंगे।
- **रात** : लोगों से मिलना, प्रार्थना और सुलतान की रखवाली के बाद सोना।

इस प्रकार उनका जीवन भक्ति, सेवा और सुलतान की देखभाल में बिताते होंगें।

(ख) अब आप अपनी दिनचर्या भी लिखिए।
उत्तर: विद्यार्थी स्वयं करें।

कहानी की रचना

(क) इस कहानी की कौन-कौन सी बातें आपको पसंद आई? आपस में चर्चा कीजिए।
उत्तर: इस कहानी की कई बातें मुझे बहुत पसंद आईं:

- **बाबा भारती का करुणा और दया भाव**: कहानी में बाबा भारती का गरीब और अपाहिज व्यक्ति की मदद करने का भाव दर्शाता है कि वे कितने दयालु और करुणावान थे। यह दिखाता है कि सच्ची मानवता क्या होती है।
- **खड्गसिंह का परिवर्तन**: कहानी का वह भाग जहाँ खड्गसिंह अपने किए पर पछताता है और बाबा भारती का घोड़ा वापस कर देता है, बहुत प्रेरणादायक है। यह दिखाता है कि किसी की सच्चाई और ईमानदारी कैसे एक व्यक्ति को बदल सकती है।
- **घोड़े सुल्तान की भूमिका**: सुल्तान घोड़े का वर्णन और उसकी विशेषताएँ कहानी में जान डाल देती हैं। यह कहानी के भावनात्मक पहलू को और भी मजबूत बनाता है।

- **नैतिक शिक्षा:** कहानी में दी गई नैतिक शिक्षा कि सच्चाई और ईमानदारी हमेशा जीतती है, मुझे बहुत पसंद आई। यह हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी हमें अपने सिद्धांतों पर अडिग रहना चाहिए।
- **लेखक की भाषा शैली**: सुदर्शन की लेखन शैली और संवाद बहुत प्रभावी और सजीव हैं। यह कहानी को पढ़ने में अधिक रोचक बनाते हैं।

  इन सभी बातों ने मिलकर इस कहानी को बहुत ही रोचक और प्रेरणादायक बना दिया है।

(ख) कोई भी कहानी पाठक को तभी पसंद आती है जब उसे अच्छी तरह लिखा गया हो । लेखक कहानी को अच्छी तरह लिखने के लिए अनेक बातों का ध्यान रखते हैं, जैसे- शब्द, वाक्य, संवाद आदि। इस कहानी में आए संवादों के विषय में अपने विचार लिखें।

उत्तर: इस कहानी के संवाद सरल, प्रभावी और सजीव हैं। संवादों के माध्यम से पात्रों की भावनाएँ और विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त होते हैं, जिससे कहानी में वास्तविकता का अनुभव होता है।

मुहावरे कहानी से

(क) कहानी से चुनकर कुछ मुहावरे नीचे दिए गए हैं– लट्टू होना, हृदय पर साँप लोटना, फूले न समाना, मुँह मोड़ लेना, मुख खिल जाना, न्योछावर कर देना। कहानी में इन्हें खोजकर इनका प्रयोग समझिए।

- **लट्टू होना** = बाबा भारती घोड़े की चाल पर लट्टू थे।
- **हृदय पर साँप लोटना** = घोड़े की चाल देखकर खड्गसिंह के हृदय पर साँप लोट गया ।
- **फूले न समाना** = घोड़े के शरीर तथा उसके रंग को देखकर बाबा भारती फूले न समाते थे।
- **मुँह मोड़ लेना** = बाबा भारती ने सुलतान की ओर से इस तरह मुँह मोड़ लिया जैसे उनका उससे कोई संबंध ही न रहा हो।
- **मुख खिल जाना** = घोड़े को देखकर बाबा भारती का मुख फूल की नाईं खिल जाता था ।
- **न्योछावर कर देना** = बाबा भारती ने अपना सब कुछ घोड़े पर न्योछावर कर दिया।

(ख) अब इनका प्रयोग करते हुए अपने मन से नए वाक्य बनाइए।

- **लट्टू होना** = इतनी तारीफ सुनकर बच्चा लट्टू सा हो गया।
- **हृदय पर साँप लोटना** = उसकी बातें सुनकर मेरे हृदय पर साँप लोटने लगा।
- **फूले न समाना** = इतने सारे उपहार पाकर बच्चा फूले नहीं समा रहा था।
- **मुँह मोड़ लेना** = अपनी गलती मानने के बजाय उसने मुँह मोड़ लिया।
- **मुख खिल जाना** = जब रोहन पुरस्कार मिला तो उसका मुख खिल उठा।
- **न्योछावर कर देना** = माँ ने अपने बेटे के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया।

कैसे-कैसे पात्र

इस कहानी में तीन मुख्य पात्र हैं– बाबा भारती, डाकू खड्गसिंह और सुलतान घोड़ा। इनके गुणों को बताने वाले शब्दों से दिए गए शब्द चित्रों को पूरा कीजिए–

आपने जो शब्द लिखे हैं, वे किसी की विशेषता, गुण और प्रकृति के बारे में बताने के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। ऐसे शब्दों को विशेषण कहते हैं।

पाठ से आगे

सुलतान की कहानी

मान लीजिए, यह कहानी सुलतान सुना रहा है। तब कहानी कैसे आगे बढ़ती ? स्वयं को सुलतान के स्थान पर रखकर कहानी बनाइए ।

(संकेत- आप कहानी को इस प्रकार बढ़ा सकते हैं - मेरा नाम सुलतान है। मैं एक घोड़ा हूँ.....)

उत्तर: सुलतान की जुबानी कहानी

मेरा नाम सुलतान है। मैं एक घोड़ा हूँ। मुझे बाबा भारती बहुत प्यार करते थे। वे मुझे सुबह जल्दी उठाकर अपने हाथों से दाना खिलाते और मुझे घूमने ले जाते। मैं उनके साथ घूमना बहुत पसंद करता था। हम

साथ में खेतों में घूमते, नदी के किनारे जाते और कभी-कभी जंगल में भी घूमने निकल जाते। बाबा भारती मुझे अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करते थे।

एक दिन बाबा भारती के पास एक डाकू आया, जिसका नाम खड्गसिंह था। वह मुझे देखकर बहुत खुश हुआ और उसने बाबा भारती से मुझे मांग लिया। बाबा भारती बहुत दुखी हुए, लेकिन उन्होंने मुझे खड्गसिंह को दे दिया।

खड्गसिंह मुझे लेकर चला गया। मैं बहुत उदास था। मुझे बाबा भारती बहुत याद आ रहे थे। खड्गसिंह मुझे बहुत सारे घोड़े के साथ रखता था, लेकिन मुझे उनके साथ रहना पसंद नहीं था। वे मुझे बहुत सारी जगह घुमाते थे, लेकिन मुझे बाबा भारती के साथ खेतों में घूमना ज्यादा पसंद था।

एक रात, खड्गसिंह मुझे लेकर बाबा भारती के मंदिर के पास आया। उसने मुझे बाबा भारती के अस्तबल में बांध दिया और चला गया। मुझे लगा कि अब मैं बाबा भारती से मिल पाऊंगा। सुबह जब बाबा भारती आए तो उन्होंने मुझे देखकर बहुत खुश हुए। उन्होंने मुझे गले लगाया और कहा, "मेरा सुलतान वापस आ गया है।"

उस दिन से मैं फिर से बाबा भारती के साथ रहने लगा। हम पहले की तरह ही खुश थे। मुझे पता है कि बाबा भारती मुझे बहुत प्यार करते हैं और मैं भी उन्हें बहुत प्यार करता हूँ।

मन के भाव

(क) कहानी में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। बताइए, कहानी में कौन, कब, ऐसा अनुभव कर रहा था

- चकित : कौन - खड्गसिंह
  कब - जब उसने सुलतान को पहली बार देखा।
  क्यों - सुलतान की सुंदरता और चाल ने उसे चकित कर दिया था।
- अधीर : कौन - खड्गसिंह
  कब - जब वह सुलतान की चाल देखना चाहता था।
  क्यों - वह सुलतान की प्रशंसा सुनकर उसकी चाल देखने के लिए बेताब था।
- डर : कौन - बाबा भारती
  कब - जब खड्गसिंह ने सुलतान को ले जाने की धमकी दी थी।
  क्यों वह सुलतान को खोने से डर रहे थे।
- प्रसन्नता : कौन - बाबा भारती
  कब - जब वह सुलतान पर सवार होकर घूमते थे।
  क्यों - उन्हें सुलतान से बहुत प्यार था और उसकी कंपनी उन्हें बहुत पसंद थी।
- करुणा : कौन - बाबा भारती
  कब - जब उन्होंने अपाहिज को देखा।
  क्यों - अपाहिज की दुर्दशा देखकर उन्हें दया आई।
- निराशा : कौन - बाबा भारती
  कब - जब खड्गसिंह सुलतान को लेकर भाग गया।
  क्यों - उन्होंने सुलतान को खो दिया था।

(ख) आप उपर्युक्त भावों को कब-कब अनुभव करते हैं? लिखिए।

(संकेत - जैसे गली में किसी कुत्ते को देखकर डर या प्रसन्नता या करुणा आदि का अनुभव करना)

- **चकित** = आश्चर्यजनक कार्य को देखकर।
- **अधीर** = किसी कहानी या घटना सुनने के लिए।
- **डर** = गली में कुत्ते को देखकर।
- **प्रसन्नता** = अतिथि के आने पर।
- **करुणा** = किसी अपाहिज को देखकर।
- **निराशा** = किसी कार्य की असफलता पर।